श्रीमते रामानुजाय नमः जय श्रीमन्नारायण ! श्रीमते नारायणाय नमः

श्री श्री श्री त्रिदण्डी चिन्न श्रीमन्नारायण रामानुज जीयर स्वामी जी महाराज के तत्त्वावधान में

समता कुम्भ - २०२४

श्रीरामानुजास्वामीजी एवं १०८ दिव्यदेशों का द्वितीय ब्रह्मोत्सव

STATUE OF EQUALITY

२०-०२-२०२४ से ०१-०३-२०२४ तक

प्रियतम भगवद् बन्धुओ ! आप सब को सादर स्वागत की सुममाला है।

जय श्रीमन्नारायण

दैनंदिनी सूची

प्रातःकाल

५:४५ a.m.	सुप्रभातम्
६:००-६:३० a.m.	अष्टाक्षरी मन्त्रजप
६:३०-७:३० a.m.	आराधना, दिव्यप्रबन्धपाठ
७:३०-९:०० a.m.	शात्तुमुरै, आरति, तीर्थ प्रसाद गोष्ठी
९:००-१०:०० a.m.	नित्य पूर्णाहुति, बलिहरण
१०:३०-११:३० a.m.	दिव्यदेशमूर्तियों की तिरुमञ्जन सेवा
११:३०-१:०० p.m.	विशेष उत्सव
१:३०-४:३० p.m.	सांस्कृतिक कार्यक्रम

सायं काल

५:००-५:४५ p.m.	श्रीविष्णुसहस्रनाम स्तोत्र का सामूहिक पारायण
६:००-७:३० p.m.	साकेत रामचन्द्र भगवान् एवं दिव्य देश के भगवान् का १८ गरुडवाहन सवारी के साथ में यागशाला प्रवेश
७:३०-८:०० p.m.	नित्यपूर्णाहुति
८:००-९:०० p.m.	शोभायात्रा, मङ्गलाशासन, तीर्थप्रसाद गोष्ठी

☞ सूचना - विशेष कार्यक्रमों में आगे पीछे भी होसकता है

२०.२.२०२४
मङ्गलवार
प्रातः ७:३०-१०:३०

आर्द्रा नक्षत्र

सुवर्णमूर्ति श्रीभगवद्रामानुजस्वामीजी का

उत्सवारम्भ स्नपन - अभिषेक

जय श्रीमन्नारायण !

२०-२-२०२४
मङ्गलवार
मध्याह्नः ३:००-६:००

भीष्म एकादशी

विराट् श्रीविष्णुसहस्रनाम पारायण

विश्वकल्याण के लिए सब मिल के करेंगे ! पधारें !!

सायंकाल
६:००-८:००

अङ्कुरारोपण

आरति - तीर्थ प्रसाद गोष्ठी के साथ उत्सव पूरा होगा

जय श्रीमन्नारायण !

२१-२-२०२४
बुधवार
प्रात: ७:००-८:००

दिव्यसाकेत से SOE तक प्रभु श्रीसीता रामचन्द्र प्रभु की

सूर्यप्रभावाहन पर सेवा

ध्वजारोहण
८:०० am

अग्निप्रतिष्ठा
८:३० am

सायंकाल
६:००-८:३०

मध्याह्न का समय सांस्कृतिक प्रदर्शनी

१८ दिव्यदेशों की श्रीमूर्तियों को

शेषवाहन पर सेवा

18 गरुड वाहन से सवारी

८:३०
पूर्णाहुति, शात्तुमुरै,
तीर्थ प्रसादगोष्ठी

जय श्रीमन्नारायण !

२२.२.२०२४
गुरुवार
प्रातः १०:३०-११:३०

१८ दिव्यदेशमूर्तियों की तिरुमञ्जन सेवा

११:३० a.m. - १:०० p.m.

रामानुजनूत्तन्दादि का सामूहिक पारायण

मध्याह्न का समय सांस्कृतिक प्रदर्शनी

सायंकाल
६:००-८:३०

१८ दिव्यदेशों की श्रीमूर्तियों को

चन्द्रवाहन सेवा

18 गरुड वाहन से सवारी

८:३०
पूर्णाहुति, शात्तुमुरै,
तीर्थ प्रसादगोष्ठी

जय श्रीमन्नारायण !

23-2-2024
शुक्रवार
प्रातः १०:३०-११:३०

१८ दिव्यदेशमूर्तियों की तिरुमञ्जन सेवा

प्रातः ११:३० में

सामूहिक लक्ष्मीनारायण पूजा

मध्याह्न का समय सांस्कृतिक प्रदर्शनी

सायंकाल
६:००-८:३०

१८ दिव्यदेशों की श्रीमूर्तियों को

हनुमद्वाहन सेवा

18 गरुड वाहन से सवारी

८:३०
पूर्णाहुति, शात्तुमुरै,
तीर्थ प्रसादगोष्ठी

जय श्रीमन्नारायण !

२४.२.२०२४
शनिवार
प्रातः १०:३०-११:३०

१८ दिव्यदेशमूर्तियों की तिरुमञ्जन सेवा

प्रातः ११:३० से

ग्लोबल् रामायण क्विज काण्टेष्ट

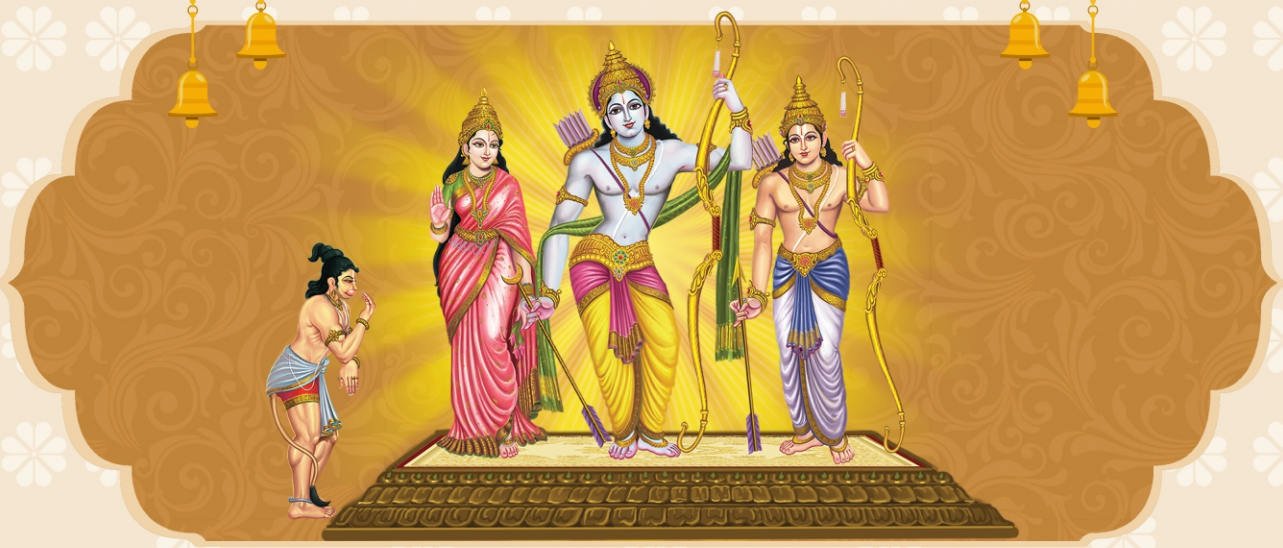

मध्याह्न का समय सांस्कृतिक प्रदर्शनी

सायंकाल
५:००-५:४५

५:००-५:४५ p.m. मञ्च में कल्याणोत्सव का पूर्वरङ्ग सगाई उत्सव

६:०० p.m. - ८:३० p.m. साकेत रामचन्द्र भगवान् की गजवाहन में साकेतलक्ष्मीजी की

१८ दिव्यदेशों की श्रीमूर्तियों को 18 गरुड वाहन से सवारी

८:३० पूर्णाहुति, शात्तुमुरै, तीर्थ प्रसादगोष्ठी

जय श्रीमन्नारायण !

18 दिव्यदेश मूर्तियों का अभिषेक

मध्याह्न का समय सांस्कृतिक प्रदर्शनी

सायंकाल 5 बजे से मञ्च पर

सकललोकरक्षक, बहुरूपधारी, सर्वनाम संकीर्तित प्रभु का

108 रूपों में ऐतिहासिक, अपूर्व तथा अद्भुत

२५.२.२०२४

रविवार

प्रातः १०:३०-११:३०

शान्ति कल्याण महोत्सव

जय श्रीमन्नारायण !

१८ दिव्यदेशमूर्तियों की तिरुमञ्जन सेवा

प्रातः ११:३० में

२६-२-२०२४
सोमवार
प्रातः १०:३०-११:३०

वसन्तोत्सव

मध्याह्न का समय सांस्कृतिक प्रदर्शनी

सायंकाल
६:००-८:३०

साकेत रामचन्द्र भगवान् की गरुड वाहन में सवारी

108 दिव्यदेशों के भगवान् की
18 गरुड सेवा

८:३०
पूर्णाहुति, शात्तुमुरै,
तीर्थ प्रसादगोष्ठी

जय श्रीमन्नारायण !

18 दिव्यदेश मूर्तियों का अभिषेक

प्रातः ११:३० में

२७-२-२०२४
मङ्गलवार
प्रातः १०:३०-११:३०

डोलोत्सव

मध्याह्न का समय सांस्कृतिक प्रदर्शनी

सायंकाल
६:००-८:३०

साकेत रामचन्द्र भगवान् की

अश्ववाहन में सवारी

१०८ दिव्यदेशों के भगवान् की
१८ गरुड सेवा

८:३०
पूर्णाहुति, शात्तुमुरै,
तीर्थ प्रसादगोष्ठी

जय श्रीमन्नारायण !

18 दिव्यदेश मूर्तियों का अभिषेक

28-2-2024
बुधवार
प्रातः १०:३०-११:३०

मध्याह्नः 12 बजे से

समतामूर्तिस्फूर्ति केन्द्र में
स्वर्णरामानुजस्वामीजी के लिए
१०८ दिव्यदेशों की मर्यादा (बहुमान) का समर्पण

आचार्यवरिवस्या

मध्याह्न का समय सांस्कृतिक प्रदर्शनी

सायंकाल
४:३०

क्षीरसागरशायी, सर्वभूत भावन, विशालनेत्र लीलाविहारी का 18 रूपों में सेवा

नौकाविहारोत्सव-मत्स्यलीला

पूर्णाहुति, शात्तुमुरै, तीर्थ, प्रसाद गोष्ठी

जय श्रीमन्नारायण !

रथोत्सव

29-2-2024
गुरुवार
प्रात: 9 बजे से

मध्याह्न का समय सांस्कृतिक प्रदर्शनी

चक्रस्नान

जय श्रीमन्नारायण !

श्रीपुष्पयाग
द्वादशाराधना देवतोद्वासना

१-३-२०२४
शुक्रवार
सायंकाल ३ बजे से

महापूर्णाहुति

मध्याह्न का समय सांस्कृतिक प्रदर्शनी

२,३,४,५, -३-२०२४

२-३-२०२४ दिव्यदेशों में पहला मण्डप का १ से २६ तक विराजमान भगवन्मूर्तियों का उत्सवान्त स्नपन

३-३-२०२४ दिव्यदेशों में दूसरा मण्डप का २७ से ५४ तक विराजमान भगवन्मूर्तियों का उत्सवान्त स्नपन

४-३-२०२४ दिव्यदेशों में तीसरा मण्डप का ५५ से ८२ तक विराजमान भगवन्मूर्तियों का उत्सवान्त स्नपन

५-३-२०२४ दिव्यदेशों में चौथा मण्डप का ८३ से 108 तक विराजमान भगवन्मूर्तियों का उत्सवान्त स्नपन

जय श्रीमन्नारायण !

सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रतिदिन मध्याह्न
१:३० से ४:३० तक
मञ्च पर

२१-२-२०२४
बुधवार
मध्याह्न २:००-३:१५ स्वागताञ्जलि, जीवा के नृत्यबृन्द द्वारा नाट्याचार्य पवनजी के नेतृत्व में।
मध्याह्न ३:३०-५:०० तक भक्तिसङ्गीतविभावरी सङ्गीतदर्शक श्रीतारक रामारावुजी का बृन्द।

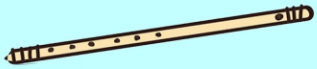

२२-२-२०२४
गुरुवार
मध्याह्न २:००-३:१५ श्रीसम्भवपरम्परा के नाट्यगुरु - श्रीमती माधवी रामानुजम् के शिष्यबृन्द।
मध्याह्न ३:३०-५:०० भक्त्यञ्जलि, ललितसङ्गीतविदुषी श्रीमती शशिकलास्वामिबृन्द।

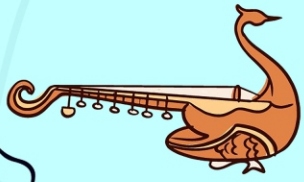

२३-२-२०२४
शुक्रवार
मध्याह्न २:००-३:१५ त्यागराज पञ्चरत्नसेवा - सङ्गीत विदुषी श्रीमती श्रीनिधि - वेङ्कटेश।
मध्याह्न ३:३०-५:०० स्टिंग् - विङ्स वाद्य सम्मेलन - वीणावादक श्रीफणिनारायणबृन्द।

२४-२-२०२४
शनिवार
मध्याह्न २:००-५:०० रामायण ग्लोबल कांटेस्ट।

२५-२-२०२४
रविवार
मध्याह्न २:००-५:०० नाट्याञ्जलि - नाट्यकलाकारिणी उषाराघवन् (U.K.)।

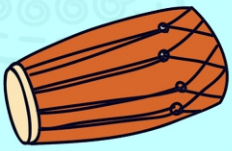

२६-२-२०२४
सोमवार
मध्याह्न २:००-५:०० बालागान्धर्वम् - प्रमुख सङ्गीतदर्शक - एवं गायक श्रीरामाचारी बृन्द।

२७-२-२०२४
मङ्गलवार
मध्याह्न २:००-३:१५ सीतानृत्यकल्प नाट्यकलाकारिणी श्रीमती क्रान्तिनारायणन् बृन्द।
मध्याह्न ३:३०-५:०० सुरभि पद्यनाटक प्रदर्शन।

२८-२-२०२४
बुधवार
मध्याह्न २:००-५:०० इन्दूर् तिरुमल - भक्तिगान नृत्य-स्वराञ्जलि।

२९-२-२०२४
गुरुवार
मध्याह्न २:००-३:०० श्रीमद्वैष्णवम् १०८ दिव्यदेशों का वैभव, श्रीमती शङ्कराभरणम् मञ्जुभार्गवीजी के बृन्द।

जय श्रीमन्नारायण !

मान्यवर भगवदबन्धुओ! आप इस में सहभागी बनने का सौभाग्य प्राप्त करें और सेवा को स्वीकार करें।

कैंकर्य विवरण

यागशाला की सेवा

एक यज्ञकुण्ड के कैङ्कर्य के लिए	- ६,०००/-
एक समय के यागशाला के पूरे कैङ्कर्य के लिए	- ५१,०००/-
यागशाला के एक दिन के पूरा कैङ्कर्य के लिए	- १,००,०००/-

पुष्पों की सेवा

एक दिव्यदेश में एक दिन के पुष्प कैङ्कर्य के लिए	- ३,०००/-
एक दिव्यदेश में 10 दिन के पुष्प कैङ्कर्य के लिए	- २५,०००/-
१०८ दिव्यदेशों में एक दिन के पुष्प कैङ्कर्य के लिए	- ३,००,०००/-
१०८ दिव्यदेशों में 10 दिन के पुष्प कैङ्कर्य के लिए	- ३०,००,०००/-

वाहन सेवा

एक गरुडवाहन सवारी के पुष्प कैङ्कर्य के लिए	- ११,०००/-
१८ गरुडवाहन सवारी के पुष्प कैङ्कर्य के लिए	- १,८०,०००/-
१०८ गरुडवाहन सवारी के पुष्प कैङ्कर्य के लिए	- ११,००,०००/-

वस्त्रसमर्पण

एक दिव्यदेश के कैङ्कर्य के लिए	- २५,०००/-
एक दिव्यदेश के उत्सवमूर्ति के लिए	- ५,०००/-
१०८ दिव्यदेशों की उत्सवमूर्तियों के लिए	- ५,००,०००/-
१०८ दिव्यदेशों की पूर्ण सेवा के लिए	- २५,००,०००/-

तदीयाराधना

एक भक्त की सेवा में	- १००/-
५००० भक्तों की सेवा में	- ५,००,०००/-
एक दिन की सेवा के लिए	- १०,००,०००/-
तिरुमञ्जन - अभिषेक कैङ्कर्य	- ५,०००/-
विशेषोत्सव के लिए	- ५,०००/-
सामूहिक अर्चना के लिए	- ५००/-
कल्याणोत्सव सेवा	- ५,०००/-

जानकारी के लिए 7901422022

श्रीमते रामानुजाय नमः जय श्रीमन्नारायण श्रीमते नारायणाय नमः

STATUE OF EQUALITY

समताकुंभ - २०२४

WELCOME NOTE

प्रिय भगवद्बन्धुओ !!

एक हजार वर्ष पूर्व श्रीपेरुम्बूदूर् क्षेत्र में दया के सिन्धु श्रीरामानुज स्वामीजी का अवतार हुआ था। वे बाल्यकाल से ही अलौकिक प्रतिभा से सम्पन्न दूरदर्शी एवं समाज को सुधारने वाले परम प्रामाणिक महापुरुष थे। हर विषय को अनुकूल तर्कसहित शास्त्र प्रमाण से वे सिद्ध करते थे।

वेदशास्त्र के सारभूत अष्टाक्षरी मन्त्र के रहस्यार्थ को उपदेश के रूप में प्राप्त करने के लिए उन्होंने 18 बार गोष्ठीपूर्ण नामक आचार्य का अनुसरण किया था। सैकडों माइल पैदल चलके गुरू के यहाँ जाते समय उन को अलग अलग समय में विशेष अनुभव होता था। जिस से श्रीरामानुज स्वमीजी ने शास्त्र में अपने विश्वास को मजबूत बनाया। यह देखकर गुरूजी का हृदय द्रवित हुआ और उन्होंने श्रीरामानुज स्वामीजी को मन्त्र का अर्थ उपदेश दिया।

श्रीरामानुज स्वामीजी ने ग्रन्थों का परिशीलन कर भगवान् के समता गुण को समझ लिया। श्रीरामावतार में रघुकुलतिलक राम ने केवट, जटायु, शबरी, वानरगण, राक्षस जाति के विभीषण जैसे सब के ऊपर स्नेहपूर्ण समतागुण को दिखाया। उसी प्रकार श्रीकृष्णावतार में भी भगवान् ने मालाकार, कुब्जा आदि से लेकर घण्टाकर्ण जैसे राक्षस जाति तक को भी बिना भेदभाव के अनुग्रह करके अपनाया। भगवद्गीता के नवें अध्याय में प्रभु ने सब को भरोसा दिया है कि - पापयोनियों में जन्म लेने वाले भी मेरा आश्रय लेकर उज्जीवन को प्राप्त कर सकते हैं।

गम्भीर हृदयवाले श्रीरामानुज स्वामीजीने समाज में असमानतारूप अवरोधों को हटाकर निम्नस्तर के लोगों को भी मन्त्र का उपदेश दिया और मन्दिरों के दरवाजे खोलकर, भगवान् का दर्शन कराया। अपनी अपनी योग्यता के अनुरूप हर वर्ग के लोगों को भगवान् की सेवा का अवसर दिया। यह थी श्रीरामानुज स्वामीजी की असाधारण क्रान्ति।

इस प्रकार के समतागुण को भगवान् के १०८ दिव्यदेशों के इतिहास से, श्रीरामानुज स्वामीजीने प्रेरणा के रूप में स्वीकार किया था। पूरे वाङ्मय को परिशीलन करके जगत के लिए उज्जीवन के राजमार्ग का निर्माण कर श्रीरामानुज स्वामीजी समतामूर्ति बने।

अस्तव्यस्त समाज को सम्हाल कर सन्मार्ग में चलाने के लिए पुनः भाग्यनगर को केन्द्र बनाकर १०८ दिव्यदेशों के साथ श्रीरामानुज स्वामीजी, समतामूर्ति के रूप में सन् २०२२ में प्रतिष्ठित हुए। २०२२ फरवरी 5 तारीख को भारत के माननीय प्रधानमन्त्री श्रीनरेन्द्रमोदीजी ने समता मूर्ति का लोकार्पण किया था। २०२२ फरवरी 13 तारीख को भारते के तत्कालीन मान्य राष्ट्रपति श्रीरामनाथ कोविंद जी ने श्रीरामानुज स्वामीजी के सुवर्णमूर्ति का लोकार्पण किया था। अपने स्थान से ही विश्व की दृष्टि को समतामूर्ति, आकर्षित कर रहे हैं। इस समतामूर्ति स्फूर्ति केन्द्र के वार्षिकोत्सव को महापुरुषों ने समताकुम्भ नाम से व्यवहार किया है। समताकुम्भ २०२३ नाम से प्रथम वार्षिकोत्सव गतवर्ष हर्षोल्लास के साथ मनाया गया था। समताकुम्भ २०२४ द्वितीय वार्षिकोत्सव आगामी फरवरी में मनाया जाएगा, जिस में विभिन्न उत्सवों के दिव्यदर्शन होंगे।

उक्त कार्यक्रम में आप सब लोगों को समतामूर्ति स्फूर्तिकेन्द्र, सादर आह्वान कर रहा है। पधारें! श्रीरामानुज स्वामीजी का १०८ दिव्यदेशों के साथ दर्शन करें! उन की कृपा को प्राप्त करें! दिव्य आनन्द का सब मिलकर अनुभव करें !

जय श्रीमन्नारायण !

STATUE OF EQUALITY

समता मूर्ति स्फूर्ति केन्द्र

श्रीरामनगरम्, मुच्चिन्तल, शंषाबाद,

हैदराबाद, तेलंगाण, भारत - 509 325

7901422022 Follow Us

statueofequality.org chinnajeeyar.org

आइए.. दर्शन करिए.. जीवन सफल बनाइए ...